बेलारूस के राष्ट्रपति द्वारा उनके सम्मान में दिए गए मध्याह्न राजभोज के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी का अभिभाषण

पैलेस ऑफ इन्डिपेंडेंस, बेलारूस : 03.06.2015

महामहिम, श्री एलेक्जेण्डर वी लुकाशेन्को, बेलारूस गणराज्य के राष्ट्रपति,
बेलारूस तथा भारतीय शष्टमंडल के व शष्ट सदस्यगण,
व शष्ट दे वयो और सज्जनो,
भारत से बेलारूस की पहली यात्रा पर मंस्क आने पर मुझे वास्तव में बहुत खुशी हो रही है।
महामहिम, मैं आपके स्वागत के वनम्रतापूर्ण शब्दों के लए तथा मुझे और मेरे शष्टमंडल को प्रदान कए गए शानदार आतिथ्य के लए आपको धन्यवाद देता हूं। हमने आपके खूबसूरत, हरे-भरे तथा आतिथ्यपूर्ण देश की यात्रा का भरपूर आनंद लया है। बेलारूस की जनता की सादगी,गर्मजोशी तथा प्यार का अनुभव वास्तव में एक आनंददायक अनुभूति है।
महामहिम,
भारत और बेलारूस के ऐतिहा सक रूप से मैत्रीपूर्ण तथा परस्पर समृ द्धपूर्ण रिश्ते रहे हैं। जैसा क मैंने आपसे बातचीत के दौरान कहा था क 1931 में भारत के राष्ट्रीय क व,रवीन्द्रनाथ टैगोर ने मंस्क की यात्रा की थी। उन्होंने आपके देश के प्रमुख बु द्धजी वयों के साथ अंतरराष्ट्रीय और व भन्न सामयिक वषयों पर सार्थक परिचर्चा की थी। भारत और बेलारूस इस गौरवशाली दार्शनिक तथा बौ द्धक परंपरा के उत्तरा धकारी हैं।
1991 में एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में आपके प्रादुर्भाव के बाद से, भारत और बेलारूस ने मैत्री और परस्पर लाभ पर आधारित अपने संबंधों का सफलतापूर्वक वक सत कया है। आज हमारे संबंध व्यावहारिक रूप से व्यापार और आ र्थक सहयोग, रक्षा, वज्ञान और प्रौद्यो गकी तथा सांस्कृतिक और जनता के आपसी आदान-प्रदान से लेकर सभी क्षेत्रों में मौजूद हैं।
अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के प्रति भी हमारे समान दृष्टिकोण हैं। गुटनिरपेक्ष आंदोलन सहित संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य बहुपक्षीय मंचों पर हमारा सहयोग घनिष्ठ और सार्थक रहा है। यह जारी रहना चाहिए। भारत,संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के इसके न्यायो चत दावे को बेलारूस के खुले समर्थन की अत्यंत सराहना करता है। हमें यह भी प्रसन्नता है क बेलारूस ने संयुक्त राष्ट्र आम सभा में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घो षत करने के भारत के प्रस्ताव को पूर्ण समर्थन कया था। भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के ढांचे के अंदर भारत के लए महत्वपूर्ण मुद्दों पर बेलारूस के दृष्टिकोण की सराहना की है और सदैव करता रहेगा।

राष्ट्रपति महोदय,

हमें, बेलारूस के राष्ट्रपति के रूप में 1997 और 2007 में भारत में आपका स्वागत करने पर खुशी हुई थी। आपकी सफल यात्राओं ने हमारे संबंधों को और उच्च स्तर पर पहुंचाने तथा हमारे संवाद की गुणवत्ता को बढ़ाने में अपार योगदान दिया है।

मुझे वश्वास है क आज हमारे वचार- वमर्श तथा मेरी यात्रा के दौरान आयोजित समारोहों से भारत-बेलारूस के रिश्ते और अ धक उचाइयों पर पहुंचेंगे। मैं यह दोहराना चाहूंगा क भारत बेलारूस के साथ और अ धक घनिष्ठ और व वधतापूर्ण रिश्ते के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

महामहिम,

हमारे देशों के संबंधों के निर्माण में तय कए गए रास्ते का, पीछे मुड़कर संतुष्टि से अवलोकन करते हुए हम अपने संबंधों को और बढ़ाने तथा घनिष्ठ करने के लए स्वयं को एक बार फर से सम र्पत करने की आवश्यकता को भी स्वीकार करते हैं। हम दोनों ही सहमत हैं क हमारे संबंधों में भारी अप्रयुक्त क्षमताएं मौजूद हैं।

हमने अपने सहयोग को बढ़ाने के लए अनेक उपयोगी वचारों और पहलों पर वचार- वमर्श कया है। यह आवश्यक है क हम इन्हें अत्य धक प्रभावी ढंग से कार्यान्वित करें। मैं दोहराना चाहूंगा क हम अपने आ र्थक और वा णज्यिक सहयोग, अपने रक्षा संबंधों तथा वैज्ञानिक और शै क्षक संपर्कों संबंधी प्रयासों पर जोर दें।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार पुन: आपके शानदार आतिथ्य के लए धन्यवाद देता हूं। मैं आपको अपनी सु वधानुसार भारत की यात्रा करने के लए भी आमंत्रित करना चाहता हूं। नई दिल्ली में आपका एक बार फर स्वागत करना खुशी की बात होगी।

दे वयो और सज्जनो, आइए हम सब मलकर:

- बेलारूस गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति, एलेक्जेण्डर वी लुकाशेन्का के अच्छे स्वास्थ्य;
- बेलारूस की जनता की निरंतर प्रगति एवं समृ द्ध; तथा
- भारत एवं बेलारूस के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और सहयोग की प्रगाढ़ता, की कामना करें।

बहुत बहुत धन्यवाद! (स्पा सबा बोलशोय)